समर कैंप-सह-ग्रीष्मकालीन किशोरी महोत्सव

मेरा आज, कल के लिए!

2024

प्रतिवेदन

दिनांक 02 से 11, मई

मेरा आज, कल के लिए!

विवरणी

क्रं ०	विवरण	पृष्ठ संख्या
1.	परिचय	01-03
2.	समर कैंप का स्वरूप	04 -06
3.	विशेष विद्यालय –सह छात्रावास, गया के समर कैंप का उद्घाटन	07 -09
4.	विशेष विद्यालय –सह छात्रावास, गया के समर कैंप की गतिविधियाँ	10-25
5.	विशेष विद्यालय –सह छात्रावास, पटना के समर कैंप का उद्घाटन	26-28
6.	विशेष विद्यालय –सह छात्रावास, पटना के समर कैंप की गतिविधियाँ	29 -38
7	विशेष विद्यालय –सह छात्रावास, के समर कैंप का समापन	39 -42
8	शैक्षणिक परिभ्रमण	43 -46

मेरा आज, कल के लिए!

1. परिचय

मुसहर समुदाय के लिए नारी गुंजन के द्वारा सर्पित भाव से किये जा रहे अथक प्रयास के कारण कल्याण विभाग, बिहार सरकार द्वारा वर्ष 2006 में एक छात्रावास नारी गुंजन को उपलब्ध कराया गया और इस छात्रावास में मुसहर छात्राओं के लिए प्रेरणा छात्रावास की शुरुआत 29 जनवरी 2006 को की गयी। शुरुआत में बिहार शिक्षा परियोजना एवं यूनिसेफ के सहयोग से छात्रावास का संचालन किया गया।

तत्पश्चात वर्ष 2010 में बिहार महादलित विकास मिशन द्वारा प्रेरणा छात्रावास को विशेष विद्यालय-सह- छात्रावास योजना के तहत आच्छादित किया गया। बिहार महादलित विकास मिशन द्वारा छात्रावास को सुदृढ़ करने के साथ-साथ शैक्षणिक गतिविधियों के संचालन हेतु भी विशेष व्यवस्था कारवाई गई| इसके साथ ही विभिन्न चरणों मे आवासन की क्षमता को 150 तक किया गया। इस योजना की प्रारम्भिक सफलता के फलस्वरूप बिहार महादलित विकास मिशन द्वारा गया में भी इस योजना को

प्रारंभ करने का दायित्व नारी गुंजन को दिया गया। वर्ष 2012 में गया में विशेष विद्यालय सह छात्रावास योजना की शुरुआत की गई।

वर्तमान में दानापुर, पटना मे कल्याण विभाग के छात्रावास के अतिरिक्त जिला प्रशासन एवं बिहार राज्य पथ निर्माण निगम लिमिटेड का एक-एक भवन उपलब्ध है। बोध गया में भी अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण विभाग के भवन में विशेष विद्यालय सह छात्रावास, गया का संचालन किया जा रहा है।

वर्तमान में विशेष विद्यालय सह छात्रावास, पटना में कक्षा -03 से 12 तक की 150 छात्राओं एवं गया में कक्षा -01 से 08 तक की छात्राओं के आवासन एवं शिक्षा की व्यवस्था है। इसके साथ ही शिक्षा के अधिकार कानून के अनुपालन में सभी छात्राओं का नामांकन पास के सरकारी स्कूल में भी कराया गया है। दोनों विद्यालयों में पढ़ाई के अतिरिक्त पाठ्येतर गतिविधियां भी कराई जाती है|

पाठ्येतर गतिविधियों के तहत नारी गुंजन महादलित छात्राओं के सर्वांगीण विकास हेतु समर कैंप का आयोजन करती है। वर्ष 2011 से प्रत्येक वर्ष ग्रीष्मकालीन अवकाश मे नारी

गुंजन विशेष विद्यालय-सह-छात्रावास, पटना एवं गया की छात्राओं के लिए समर कैंप –सह- ग्रीष्मकालीन किशोरी महोत्सव का आयोजन करती है। इस आयोजन में विशेष विद्यालय – सह- छात्रावास की छात्राओं के साथ-साथ नारी गुंजन के पुनपुन एवं बिहटा प्रखण्ड के किशोरी केन्द्र की छात्राएं भी भाग लेती रही हैं।

नारी गुंजन द्वारा 2024 के लिए भी समर कैंप –सह- ग्रीष्मकालीन किशोरी महोत्सव, 2024 का आयोजन दिनांक 02-05-2024 से 11-05-2024 तक किया गया। ग्रीष्मकालीन किशोरी महोत्सव 2024 की थीम **'मेरा आज, कल के लिए'** रखी गई।

2. समर कैंप का स्वरूप

नारी गुंजन विशेष विद्यालय-सह-छात्रावास, पटना, गया एवं किशोरी केन्द्र की किशोरियों के संयुक्त समर कैंप का आयोजन करती रही है| किशोरियों को विभिन्न चार समूहों में बाँट कर विभिन्न गतिविधियों का संचालन किया जाता रहा है| अधिक छात्राओं के होने से प्रत्येक समूह की सभी छात्राओं की पूर्ण सहभागिता सुनिश्चित करने में आने वाली कठिनाइयों को दृष्टिगत करते हुए इस वर्ष गया एवं पटना के लिए अलग-अलग समरकैंप का आयोजन किया गया| सभी कार्यक्रम दिनांक 02-05-2024 से 11-05-2024 तक आयोजित किए गए।

इस वर्ष गया एवं पटना के बच्चों को निम्न चार समूहों में बांटा गया:

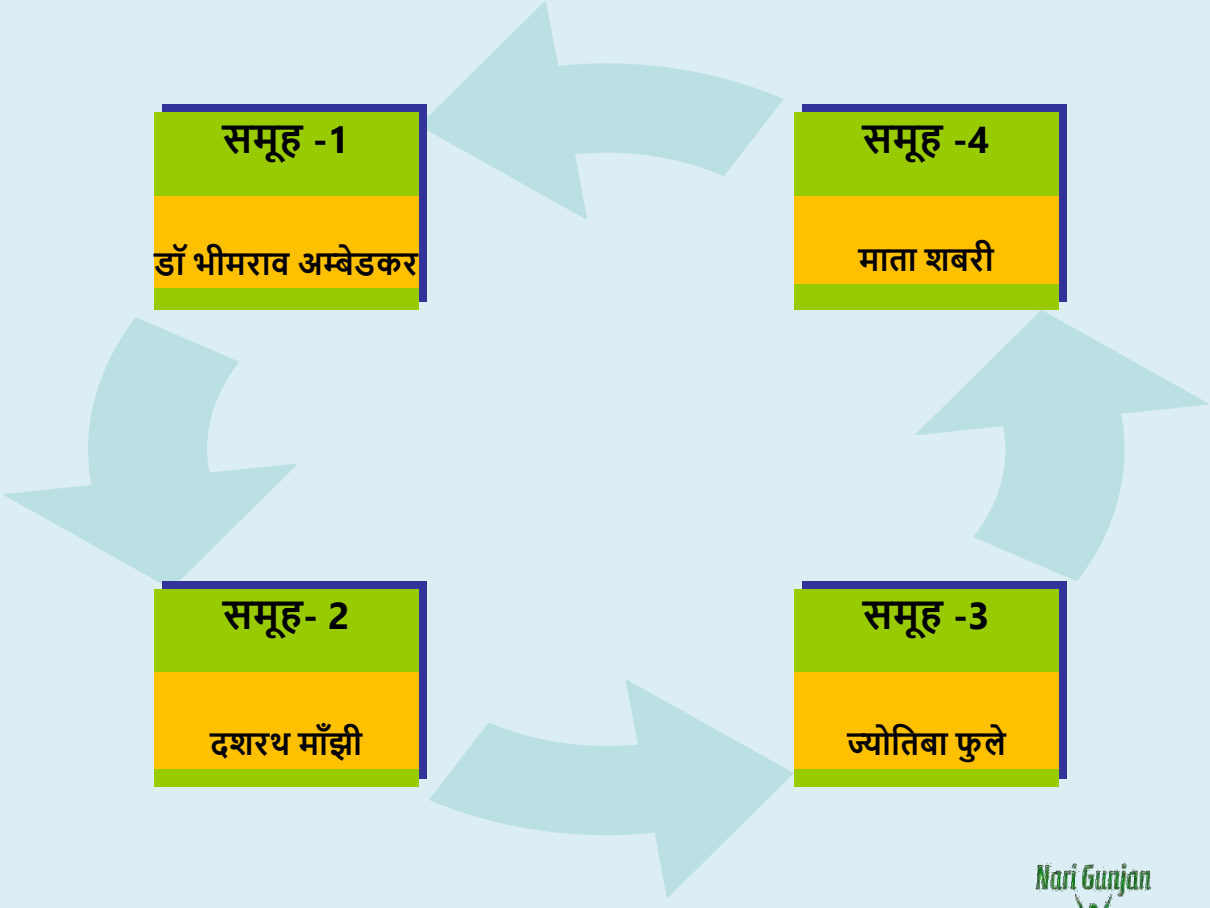

मेरा आज, कल के लिए!

कार्यक्रम की शुरुआत दिनांक 02-05-2024 को 10.00 बजे पुर्वाह्न में विशेष विद्यालय-सह-छात्रावास, गया के समर कैंप –सह- ग्रीष्मकालीन किशोरी महोत्सव 2024 के उद्घाटन से की गई। तत्पश्चात दिनांक 03-05-2024 एवं 04-05-2024 को विभिन्न सत्रों मे आर्ट एंड क्राफ्ट, नृत्य, डिजिटल लिटरेसी, लाइफ स्किल, स्पोकेन इंग्लिश, स्पोर्ट्स आदि का प्रशिक्षण दिया गया।

विशेष विद्यालय-सह-छात्रावास, पटना के समर कैंप –सह- ग्रीष्मकालीन किशोरी महोत्सव 2024 का उद्घाटन दिनांक 07-05-2024 को 10.00 बजे पुर्वाह्न में हुआ। तत्पश्चात दिनांक 07-05-2024 से 09-05-2024 तक विशेष विद्यालय-सह-छात्रावास, पटना में विभिन्न सत्रों मे आर्ट एंड क्राफ्ट, नृत्य, डिजिटल लिटरेसी, लाइफ स्किल, स्पोकेन इंग्लिश, स्पोर्ट्स आदि का प्रशिक्षण दिया गया। पटना के समर कैंप में विशेष विद्यालय-सह-छात्रावास, पटना की छात्राओं के अतिरिक्त नारी गुंजन द्वारा संचालित किशोरी केंद्र की भी छात्राएं भाग लीं। जिसमे दानापुर की 138 किशोरियाँ एवं 45 रिसोर्स पर्सन, बोधगया की 8 किशोरियाँ एवं 4 रिसोर्स पर्सन, पुनपुन की 83 किशोरियाँ एवं 10 रिसोर्स पर्सन तथा बिहटा की 34 किशोरियाँ एवं 10 रिसोर्स पर्सन शामिल हुए| दिनांक 10 एवं 11 मई के कार्यक्रम में बोध गया की शेष 86 किशोरियाँ एवं 12 रिसोर्स पर्सन ने भाग लिया|

दोनों विशेष विद्यालयों के समर कैंप –सह- ग्रीष्मकालीन किशोरी महोत्सव, 2024 का समापन समारोह दिनांक 10-05-2024 को संध्या 4.30 बजे से विशेष विद्यालय –सह-छात्रावास, पटना में आयोजित की गई, जिसमे पटना एवं गया की छात्राओं कस साथ-साथ किशोरी केन्द्र की छात्राओं द्वारा सीखे गए आर्टफॉर्म की प्रस्तुति की गई। इसके साथ ही सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए गए|

मेरा आज, कल के लिए!

दिनांक 11-05-2024 को सभी छात्राओं के लिए शैक्षणिक परिभ्रमण का आयोजन किया गया|

किशोरियों एवं रिसोर्स पर्सन की दैनिक उपस्थिति निमन्वत रही:-

दिनांक	स्थान	किशोरियों की संख्या	रिसोर्स पर्सन की संख्या	कुल
02 मई, 2024	बोधगया	94	36	130
03 मई, 2024	बोधगया	94	36	130
04 मई, 2024	बोधगया	94	36	130
07 मई, 2024	दानापुर	263	65	328
08 मई, 2024	दानापुर	263	65	328
09 मई, 2024	दानापुर	263	65	328
10 मई, 2024	संयुक्त समापन समारोह, दानापुर	349	77	426
11 मई, 2024	शैक्षणिक परिभ्रमण	349	77	426

3. विशेष विद्यालय–सह-छात्रावास, गया के समर कैंप का उद्घाटन

नारी गुंजन द्वारा संचालित विशेष विद्यालय-सह-प्रेरणा छात्रावास, बोध गया के समर कैंप-सह- ग्रीष्मकालीन किशोरी महोत्सव, 2024 का आयोजन दिनांक 02 मई, 2024 से दिनांक 04 मई, 2024 तक आयोजित की गई| इस कार्यक्रम के उद्घाटन के लिए जिला पदाधिकारी, गया डॉ. त्यागराजन एस. एम्. ने अपना बहुमूल्य समय दिया| उद्घाटन सत्र का आयोजन प्रात: 10 बजे निर्धारित था|

निर्धारित समय पर जिला पदाधिकारी बोध गया स्थित नारी गुंजन प्रेरणा छात्रावास के प्रांगण में पहुंचे जहां नारी गुंजन प्रेरणा छात्रावास की छात्राओं द्वारा अंग वस्त्र और पौधा देकर उनका स्वागत किया गया| साथ ही नारी गुंजन की छात्राओं द्वारा 'स्वागतम सुस्वागतम' गीत उनके सम्मान में प्रस्तुत किया गया|

मेरा आज, कल के लिए!

मुख्य अतिथि एवं नारी गुंजन की सचिव ने दीप प्रज्वलित कर समर कैंप-सह-ग्रीष्मकालीन किशोरी महोत्सव, 2024 का शुभारंभ किया| इसके साथ ही गया के विशेष विद्यालय की छात्राओं के लिए डिजिटल लिटरेसी कार्यक्रम का भी शुभारंभ किया गया| तत्पश्चात नारी गुंजन की सचिव द्वारा कार्यक्रम के उद्देश्य से सबों को अवगत कराया गया| समर कैंप की थीम 'मेरा आज, कल के लिए!' को स्पष्ट करते हुए बताया गया कि यह कोई कुछ दिनों के कार्यक्रम के लिए निर्धारित पंक्ति नहीं वरन जीवन का सार है| यदि हम अपने वर्तमान को सुदृढ़ करेंगे, इसका सकारात्मक रूप से सम्पूर्ण उपयोग करेंगे तभी हमारा भविष्य सुरक्षित एवं उज्ज्वल होगा|

प्रेरणा छात्रावास की छात्राओं द्वारा गायन, नृत्य आदि रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए गए|

मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे गया जिलाधिकारी डॉक्टर त्यागराजन एस एम ने छात्राओं की हौसला अफजाई करते हुए कहा कि जैसे ही मुझे जानकारी प्राप्त हुई कि एक साथ 100 महादलित मुसहर छात्राओं के विशेष विद्यालय का संचालन नारी गुंजन द्वारा किया जा रहा है, वैसे ही मुझे इसे देखने की इक्षा हुई और मुझे यहाँ एक सुखद अनुभव हुआ| जिस तरह बच्चों के

जीवन में शिक्षा की जरूरत है उसी तरह एक्स्ट्रा एक्टिविटीज की भी जरूरत है| नारी गुंजन द्वारा 100 महादलित छात्राओं के समर कैंप का आयोजन किया जा रहा है; जिसमे शिक्षा के अलावे एक्स्ट्रा एक्टिविटीज का भी आयोजन किया जा रहा है| यह बहुत ही सराहनीय प्रयास है| ऐसे वंचित और इकोनॉमिकली डिप्राइव बच्चों को चिन्हित कर शिक्षा और शिक्षा के अतिरिक्त अन्य गतिविधियों में भी आगे बढ़ाने के लिए स्किल्ड किया जा रहा है यह बहुत ही प्रशंसनीय कार्य है| इस गतिविधि का संचालन कैसे हो रहा है? क्या हो रहा है? यही समझने के लिए मैं यहाँ आया हूं और यह देख कर मुझे बहुत खुशी हुई है कि यह कार्य अच्छे ढंग से संपन्न किया जा रहा है|

समाज के वंचित लोग पढे और आगे बढ़े| प्रशासन भी इन कार्यों में पूर्ण सहयोग देगा| तीन दिन के समर कैंप में बच्चों को पढ़ाई के अतिरिक्त क्रिएटिव राइटिंग, स्पोकन इंग्लिश, आर्ट एंड क्राफ्ट, डांस, म्यूजिक आदि सिखाये जाएंगे| पूरे साल बच्चों का फोकस पाठ्य पुस्तकों पर रहता है लेकिन समर कैंप का समय विशेष समय है, कुछ एक्टिविटी पर फोकस देके उनको सीखने का समय है| सीखने के लिए उसका मैट्रियल दिया जाएगा बाहर से भी कुछ लोग आएंगे, और छात्राओं को सिखाएंगे|

धन्यवाद ज्ञापन के साथ उद्घाटन सत्र का समापन किया गया एवं तीन दिवसीय समर कैम्प की गतिविधियों की शुरुआत की गई|

4. विशेष विद्यालय –सह छात्रावास, गया के समर कैंप की गतिविधियाँ

उद्घाटन सत्र के उपरांत समर कैंप की गतिविधियों को प्रारंभ किया गया| सबसे पहले सभी छात्राओं का रजिस्ट्रेशन किया गया एवं उन्हें चार समूहों में बांटा गया| उनके समूह के लिए निर्धारित रंग की टी-शर्ट उन्हें प्रदान की गई| दो समूह में 24-24 छात्राओं एवं अन्य दो समूह में 23-23 छात्राओं रखा गया एवं समूह में विभिन्न गतिविधियों को सीखाया गया| प्रशिक्षण से जुड़ी सभी आवश्यक सामग्रियों को छात्राओं को उपलबद्ध कराया गया| एक साथ में चार समूहों को चार अलग-अलग गतिविधियों में प्रशिक्षण देना प्रारंभ किया गया| विभिन्न गतिविधियों का विवरण निम्न है:

गतिविधि 1 – योग

सभी छात्राओं के दैनिक गतिविधि की शुरुआत योग से की गई| योग के तहत आसन और ध्यान की गतिविधियों को कराया गया ताकि छात्राओं को स्वस्थ शरीर के साथ तेज दिमाग प्राप्त हो||

गतिविधि 2 – संगीत

सभी छात्राओं को संगीत का प्रशिक्षण दिया गया| इसके अंतर्गत सरगम, लोकगीत, गजल गायन सीखाया गया एवं इसका रियाज कराया गया|

गतिविधि 3 - लोक नृत्य

इसके तहत झारखंड राज्य के लोक गीत पर छात्राओं को नृत्य के विभिन्न स्टेप सीखाए गए|

गतिविधि 4 - कला और शिल्प - टिकुली आर्ट

टिकुली चित्रकारी एक हस्तनिर्मित कला है, जो वर्षों से बिहार के बिहार के सांस्कृतिक विरासत का हिस्सा है। 'टिकुली' शब्द 'बिन्दी' का स्थानीय पर्याय है। कहा जाता है कि बिहार में टिकुली कला करीब 800 वर्ष पूर्व पटना में शुरू हुई थी। ये खूबसूरती से तैयार किए गए

चित्र होते है। यह कला 1982 में तब सुर्ख़ियों में आई, जब तत्कालीन प्रधान मंत्री इंदिरा गांधी ने एशियाड खेलों में भाग लेने वाले सभी 5,000 एथलीटों को आधिकारिक स्मृति चिन्ह के रूप में टिकुली की कलाकृतियाँ उपहार में दी।

टिकुली में प्रसिद्ध मधुबनी कला तकनीकों की छाया है। कलाकृति में मुख्य रूप से देवी-देवताओं को दर्शाया जाता है| इनके विषय ज्यादातर पौराणिक कथाओं, त्योहारों, गांवों और रीति-रिवाजों पर आधारित हैं। शिल्प में उपयोग किए जाने वाले इनेमल पेंट ज्यादातर

चमकीले लाल, पीले, कोबाल्ट नीले और गहरे हरे रंग के होते हैं, ताकि एक गहरे फाइबरबोर्ड पर डिजाइन जीवंत होकर उभरे। टिकुली महिला सशक्तिकरण का भी प्रतीक है, क्योंकि 7,000 से ज्यादा टिकुली कारीगरों में से लगभग 98% महिलाएं हैं।

गतिविधि 5 - स्पोकेन इंग्लिश

आज, विज्ञान, मानविकी और प्रौद्योगिकियों पर नवीनतम शोध लगभग अंग्रेजी में हो रहे हैं अत: इसे जानने समझने के लिए अंग्रेजी भाषा आवश्यक है। विभिन्न प्रतियोगिता परीक्षाओं एवं MNC कंपनियों में रोजगार प्राप्त करने के लिए अंग्रेजी में बोलने आना आवश्यक है| हिन्दी

माध्यम के छात्र-छात्राओं को इसका प्रशिक्षण नहीं देने से समस्या का सामना करना पड़ता है| प्रतिस्पर्धी दुनिया में जीवित रहने के लिए किसी को अंग्रेजी में एक अच्छा संचार कौशल होना चाहिए। इस कारण ही स्पोकेन इंग्लिश को समर कैंप की एक गतिविधि के रूप में चुना गया|

गतिविधि 6 - रचनात्मक लेखन

किसी भी विषय वस्तु पर सटीक एवं प्रभावी लेखन को रचनात्मक लेखन कहते हैं। यह विभिन्न अलग–अलग विषय वस्तुओं पर हमारी सोंच एवं उस सोंच को दूसरों तक पहुचाने का जरिया है| इससे चिंतन एवं लेखन की शैली में सुधार होता है|

गतिविधि 7 - आर्ट ऑफ इफेक्टिव रीडिंग

हम सभी पुस्तकों को पढ़ते हैं| पढ़ने के उपरांत पुस्तक में लिखी अधिकतम बातों को हम कैसे याद रख सकें इसके लिए पढ़ने की कला आना आवश्यक है| गया के करुणोदय फाउंडेशन द्वारा यह कला बच्चों को सीखाई जाती है| करुणोदय फाउंडेशन के विकास जी द्वारा इस आर्ट से छात्राओं को अवगत कराया गया|

गतिविधि 8 - डिजिटल साक्षरता

आज के डिजिटल युग में डिजिटल गैजेट का प्रयोग आना आवश्यक है| दैनिक कार्यकलाप में डिजिटल गैजेट के उपयोग की जानकारी डिजिटल साक्षरता के तहत दी गई| इस कार्य हेतु टैब के उपयोग से सभी छात्राओं को अवगत कराया गया|

गतिविधि 9 - नाटक

नाटक साहित्य की एक विधा है जो रंगमंच पर प्रस्तुत की जा सकती है| रंगमंच पर प्रस्तुत होने के कारण इसका व्यापक प्रभाव दर्शक पर पड़ता है| नाटक के लिए लेखन एवं अभिनय की क्षमता आवश्यक है| इस क्षमता को विकसित करने के लिए लघु नाटकों को लिखने एवं उसपर अभिनय करने की कला से सभी छात्राओं को अवगत कराया गया|

गतिविधि 10 - वाद-विवाद

वाद-विवाद, किसी विषय पर चर्चा की एक औपचारिक विधि है। वाद-विवाद में दो परस्पर विपरीत विचारों के समर्थक अपना-अपना तर्क रखते हैं और दूसरे के कथनों का खण्डन करने का प्रयत्न करते हैं। वाद-विवाद सार्वजनिक बैठकों में हो सकता है, शैक्षणिक संस्थानों में हो सकता है, विधायी सभाओं (जैसे संसद) में हो सकता है। तार्किक सुसंगति (consistency), तथ्यात्मक परिशुद्धता, तथा कुछ सीमा तक श्रोताओं से भावनात्मक जुड़ाव (अपील) वाद-विवाद के मुख्य अंग हैं। इस विधि से छात्राओं को अवगत कराया गया।

गतिविधि 11 - विज्ञान के प्रयोग

इस गतिविधि में विज्ञान के सामान्य प्रयोगों को छात्राओं के समक्ष प्रस्तुत किया गया एवं उनके प्रश्नों एवं जिज्ञासाओं का उत्तर दिया गया।

गतिविधि 12 - माहवारी स्वच्छता

माहवारी एक सामान्य शारीरिक चक्र है, लेकिन आज भी संकोच, पूर्वाग्रह और भेदभाव से यह घिरी हुई है। नतीजतन, लोगों को माहवारी एवं संबंधित उत्पादों के बारे में सटीक जानकारी प्राप्त करने, शौचालय का उपयोग करने और आवश्यकता पड़ने पर मदद मांगने में बाधाओं का सामना करना पड़ता है।

मासिक धर्म स्वास्थ्य या माहवारी स्वास्थ्य (Menstrual health) न केवल व्यक्तिगत स्वच्छता का विषय है, बल्कि एक सार्वजनिक स्वास्थ्य संबंधी मुद्दा भी है जिस पर सरकारों, नागरिक समाज और व्यक्तियों की ओर से तत्काल ध्यान देने एवं कार्रवाई करने की आवश्यकता है।

गतिविधि 13 - बिना आग के खाना पकाना

बिना आग के खाना पकाना, जिसे ज्वालारहित खाना पकाने के रूप में भी जाना जाता है, किसी भी ताप स्रोत का उपयोग किए बिना भोजन तैयार करने की एक विधि है। यह विभिन्न तकनीकों का उपयोग करके किया जा सकता है, जैसे मैरीनेट करना, क्योरिंग करना, अचार बनाना और किण्वन करना।

गतिविधि 14 - खेल

छात्राओं को एथेलेटिक्स, कबड्डी, खो-खो आदि का अभ्यास कराया गया एवं अंत में इसकी प्रतियोगिता कराई गई|

गतिविधि 15 - कराटे

छात्राओं को सेल्फ डिफेंस के तहत कराटे का प्रशिक्षण दिया गया|

प्रथम दिवस की गतिविधियाँ

समर कैंप-सह-किशोरी महोत्सव बोध गया - 2024

मई 2, 2024

समय	समूह 1	समूह 2	समूह : 3	समूह : 4
08-09 पूर्वाह्न	नाश्ता			
10-11.30 बजे	उद्घाटन सत्र			
11.30-12.30	संगीत			
12.30-1.30	लोक नृत्य	कला और शिल्प टिकुली आर्ट	स्पोकेन इंग्लिश	रचनात्मक लेखन
	कंचन और अंजलि	अश्विका	शिव शक्ति और अशद	एमडी एवं सुधाकर
1.30-2.30	दिन का खाना			
2.30-5.00 अपराह्न	आर्ट ऑफ इफेक्टिव रीडिंग			
	विकास जी			
शाम 5.00-5.30 बजे	डिजिटल साक्षरता	नाटक	वाद-विवाद	जीवन कौशल
	रॉबिन	नीरज	शिव शक्ति	अंकित
5.30-6.00 बजे सायं	नाश्ता			
6.00-8.00 सायं	फ़िल्म-निल बटे सनाटा			
8.00-9.00 बजे	रात का खाना			

द्वितीय दिवस की गतिविधियाँ

समर कैंप-सह-किशोरी महोत्सव बोध गया - 2024

मई 3, 2024

समय	समूह 1	समूह 2	समूह : 3	समूह : 4
प्रात: 05-06 बजे	योग			
7.30-8.30 बजे	नाश्ता			
8.30-10.30 बजे	संगीत			
10.30-11.30 बजे	कला और शिल्प टिकुली आर्ट	लोक नृत्य	रचनात्मक लेखन	स्पोकेन इंग्लिश
	अश्विका	कंचन और अंजलि	एमडी एवं सुधाकर	शिव शक्ति और अशद
11.30 पूर्वाह्न-12.30 अपराह्न	विज्ञान के प्रयोग	माहवारी स्वच्छता	बिना आग के खाना पकाना	वाद-विवाद
	अंकित और रवि	तबस्सुम	मनीषा, नीतू और गोल्डी	शिव शक्ति और सुधाकर
12.30-1.30 अपराह्न	जीवन कौशल	डिजिटल साक्षरता	नाटक	बिना आग के खाना पकाना
	अंकित और अश्विका	रॉबिन, रवि और सुनील	नीरज और शिव शक्ति	मनीषा, नीतू और गोल्डी
1.30-2.30	दिन का खाना			
2.30-4.00 अपराह्न	आर्ट ऑफ इफेक्टिव रीडिंग			

सायं 4.00-5.00 बजे	विकास जी			
	कला और शिल्प	स्पोकेन इंग्लिश	लोकनृत्य	नाटक
	अश्विका एवं सीता	शिव शक्ति और अशद	कंचन और अंजलि	नीरजऔर शिव शक्ति
शाम 5.00-5.30 बजे	नाटक	वाद-विवाद	जीवन कौशल	कला और शिल्प
	नीरज और शशिकांत रे	शिव शक्ति और सुधाकर	अंकित	सीता एवं अश्विका
5.30-6.00 बजे	नाश्ता			
6.00-8.00 सायं	फ़िल्म-लापता लेडीज़			
8.00-9.00 बजे	रात का खाना			

तृतीय दिवस की गतिविधियाँ

समर कैंप-सह-किशोरी महोत्सव बोध गया - 2024				
मई 4, 2024				
समय	समूह 1	समूह 2	समूह : 3	समूह : 4
05-06 बजे	योग			
7.30-8.30 बजे	नाश्ता			
8.30-10.30 बजे	खेल			
10-10.30 बजे	कराटे			
10.30-11.30 बजे	संगीत			

11.30-12.30 बजे	स्पोकेन इंग्लिश	जीवन कौशल	डिजिटल साक्षरता,	कला और शिल्प
	शिव शक्ति	अंकित एवं तबस्सुम	रॉबिन एवं रवि	सीता एवं अश्विका
12.30-1.30	बिना आग के खाना पकाना	स्पोकेन इंग्लिश	माहवारी स्वच्छता	डिजिटल साक्षरता
	मनीषा एवं नीतू	शिव शक्ति	तबस्सुम	रॉबिन एवं रवि
1.30-2.30	दिन का खाना			
2.30-3.30 अपराह्न	फीडबैक सेशन			
3.30-4.30 अपराह्न	माहवारी स्वच्छता	डिजिटल साक्षरता	स्पोकेन इंग्लिश	जीवन कौशल
	तबस्सुम	रॉबिन एवं रवि	शिव शक्ति	अंकित
शाम 5.00-6.00 बजे	समापन समारोह			
शाम 6.00-6.30 बजे	नाश्ता			
शाम 6.30-8.30 बजे	फ़िल्म-लापता लेडीज़			
रात्री 8.30-9.30 बजे	रात का खाना			

समापन समारोह में छात्राओं को पुरस्कृत भी किया गया| खो-खो प्रतियोगिता में ब्लू ग्रुप विजेता बना| खो-खो प्रतियोगिता के विजेताओं के नाम एवं कक्षा का विवरण निम्न है :

नाम	कक्षा
निशा कुमारी	8
अर्चना कुमारी	8
नंदिनी कुमारी	6
सजनी कुमारी	3
शिवानी कुमारी	5
आशी कुमारी	5
रिंकी कुमारी	5
प्रियंका कुमारी	5
नेहा कुमारी	5

कबड्डी प्रतियोगिता में गुलाबी ग्रुप विजेता बना| कबड्डी प्रतियोगिता के विजेताओं के नाम एवं कक्षा का विवरण निम्न है :

नाम	कक्षा
प्रियंका कुमारी	7
शोभा कुमारी	8
ख़ुशी कुमारी	6
रिंकू कुमारी	7

बेबी कुमारी	7
पूनम कुमारी	5
अंजलि कुमारी	8

5. विशेष विद्यालय –सह छात्रावास, पटना के समर कैंप का उद्घाटन

पटना में समर कैंप सह- ग्रीष्मकालीन किशोरी महोत्सव, 2024 का आयोजन दिनांक 07-05-2024 से 09-05-2024 तक किया गया। इससे पूर्व गया में समर कैंप का संचालन किया गया| इस वर्ष के ग्रीष्मकालीन किशोरी महोत्सव 2024 की थीम 'मेरा आज, कल के लिए!' रखी गई। इस वर्ष समर कैंप में विभिन्न सत्रों में आर्ट एंड क्राफ्ट, नृत्य, डिजिटल लिटरेसी, लाइफ स्किल, स्पोकेन इंग्लिश, स्पोर्टस आदि के प्रशिक्षण की व्यवस्था की गई थी।

सबसे पहले सभी छात्राओं का रजिस्ट्रेशन किया गया एवं उन्हें चार समूहों में बांटा गया|

उनके समूह के लिए निर्धारित रंग की टी-शर्ट उन्हें प्रदान की गई| इस समर कैंप में दानापुर, पुनपुन, बिहटा की छात्राओं ने भाग लिया| छात्राओं के साथ नारी गुंजन के अन्य कर्मियों द्वारा समर कैंप के सुचारु संचालन हेतु भाग लिया गया|

विशेष विद्यालय-सह-छात्रावास, पटना के समर कैंप-सह- ग्रीष्मकालीन किशोरी महोत्सव 2024 का शुभारंभ पुलिस महानिरीक्षक (आधुनिकीकरण), पटेल भवन बिहार, पटना, श्री राजीव रंजन द्वारा श्रीमती अल्का वर्मा, वरीय अधिवक्ता, पटना उच्च न्यायालय एवं पद्मश्री सुधा वर्गीज की गरिमामय उपस्थिति में, दिनांक 07-05-2024 को 10.00 बजे पुर्वाह्न में दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर नारी गुंजन, प्रेरणा छात्रावास की छात्राओं द्वारा स्वागत गान तथा अन्य रंगारंग कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए गए। छात्राओं द्वारा प्रस्तुत किए गए नृत्य ने सबका मन मोह लिया|

पद्मश्री सुधा दीदी द्वारा समर कैंप सह- ग्रीष्मकालीन किशोरी महोत्सव के उद्देश्य से सब

को अवगत कराया गया। श्री राजीव रंजन द्वारा सभी छात्राओं की उज्ज्वल भविष्य की कामनाओं के साथ ही समर कैंप की विभिन्न गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लेने के लिए प्रेरित किया गया।

मुख्य अतिथि द्वारा छात्राओं के कार्यक्रम एवं नारी गुंजन के इस प्रयास की सराहना की गई| मुसहर समुदाय के लिए नारी गुंजन एवं पद्मश्री सुधा दीदी द्वारा किए जा रहे को अद्वितीय बताया गया|

6. विशेष विद्यालय –सह छात्रावास, पटना के समर कैंप की गतिविधियाँ

उद्घाटन सत्र के उपरांत समर कैंप की गतिविधियों को प्रारंभ किया गया| तीन समूह में 66 एवं चौथे समूह में 65 छात्राओं रखा गया एवं समूह में विभिन्न गतिविधियों को सीखाया गया| इसके लिए कई संसाधन व्यक्तियों की सेवा ली गई| साथ ही प्रत्येक गतिविधि में चार से पाँच

संसाधन व्यक्तियों को रखा गया| प्रशिक्षण से जुड़ी सभी आवश्यक सामग्रियों को छात्राओं को उपलबद्ध कराया गया| एक साथ में चार समूहों को चार अलग-अलग गतिविधियों में प्रशिक्षण देना प्रारंभ किया गया| विभिन्न गतिविधियों का विवरण निम्न है:

गतिविधि 1 – योग

योग सभी छात्राओं को संगीत का प्रशिक्षण दिया गया| इसके अंतर्गत बच्चों को विभिन्न प्रकार के आसन करवाए गए| यह गतिविधि छात्राओं के शारीरिक एवं मानसिक विकास के लिए कराए गए|

गतिविधि 2 – संगीत

सभी छात्राओं को संगीत का प्रशिक्षण दिया गया| इसके अंतर्गत सरगम, लोकगीत, गजल गायन सीखाया गया एवं इसका रियाज कराया गया|

गतिविधि 3 - लोक नृत्य

इसके तहत झारखंड राज्य के लोक गीत पर छात्राओं को नृत्य के विभिन्न स्टेप सीखाए गए|

गतिविधि 4 - कला और शिल्प - टिकुली आर्ट

टिकुली महिला सशक्तिकरण का प्रतीक है, क्योंकि 7,000 से ज्यादा टिकुली कारीगरों में से लगभग 98% महिलाएं हैं। टिकुली चित्रकारी एक हस्तनिर्मित कला है, जो वर्षों से बिहार के इतिहास में मौजूद है। छात्राओं को बिहार की विरासत से जोड़ने एवं कला के विकास में अपनी भागीदारी निभाने के लिए समर कैंप में इस कला का प्रशिक्षण दिया गया|

गतिविधि 5 - स्पोकेन इंग्लिश

आज, विज्ञान, मानविकी और प्रौद्योगिकियों पर नवीनतम शोध लगभग अंग्रेजी में हो रहा है अत: इसे जानने समझने के लिए अंग्रेजी भाषा आवश्यक है। विभिन्न प्रतियोगिता परीक्षाओं एवं MNC

कंपनियों में रोजगार प्राप्त करने के लिए अंग्रेजी में बोलने आना आवश्यक है| हिन्दी माध्यम के छात्र-छात्राओं को इसका प्रशिक्षण नहीं देने से समस्या का सामना करना पड़ता है| प्रतिस्पर्धी दुनिया में जीवित रहने के लिए किसी को अंग्रेजी में एक अच्छा संचार कौशल होना चाहिए। इस कारण ही स्पोकेन इंग्लिश कोसमर कैंप की एक गतिविधि के रूप में चुना गया|

गतिविधि 6 - रचनात्मक लेखन

किसी भी विषय वस्तु पर सटीक एवं प्रभावी लेखन को रचनात्मक लेखन कहते हैं। यह विभिन्न अलग –अलग विषय वस्तुओं पर हमारी सोंच एवं उस सोंच को दूसरों तक पहुचाने का जरिया है| इससे चिंतन एवं लेखन की शैली में सुधार होगा|

गतिविधि 7 - डिजिटल साक्षरता

आज के डिजिटल युग में डिजिटल गैजेट का प्रयोग आना आवश्यक है| दैनिक कार्यकलाप में डिजिटल गैजेट के उपयोग की जानकारी डिजिटल साक्षरता के तहत दी गई| इस कार्य हेतु टैब के उपयोग से

सभी छात्राओं को अवगत कराया गया|

गतिविधि 8 - माहवारी स्वच्छता

माहवारी एक सामान्य शारीरिक चक्र है, लेकिन आज भी संकोच, पूर्वाग्रह और भेदभाव से घिरी हुई है। नतीजतन, लोगों को माहवारी एवं संबंधित उत्पादों के बारे में सटीक जानकारी प्राप्त करने, शौचालय का उपयोग करने और आवश्यकता पड़ने पर मदद मांगने में बाधाओं का सामना करना पड़ता है। छात्राओं को इससे जुड़े पहलुओं से अवगत कराने के लिए यह सत्र रखा गया|

गतिविधि 9 - खेल

छात्राओं को एथेलेटिक्स, कबड्डी, खो-खो आदि का अभ्यास कराया गया एवं अंत में इसकी प्रतियोगिता कराई गई|

गतिविधि 10 - कराटे

छात्राओं को सेल्फ डिफेंस के तहत कराटे का प्रशिक्षण दिया गया|

प्रथम दिवस की गतिविधियाँ

समर कैंप-सह-किशोरी महोत्सव पटना - 2024

मई 7, 2024

समय	समूह 1	समूह 2	समूह : 3	समूह : 4
08-09 पूर्वाह्न	नाश्ता			
10-11.30 बजे	उद्घाटन सत्र			
11.30-12.30	संगीत (संजीत एवं नीरज)			
12.30-1.30	लोक नृत्य	कला और शिल्प टिकुली आर्ट	स्पोकेन इंग्लिश	रचनात्मक लेखन
	गोल्डी एवं अंजलि	अश्विका, साहिब एवं रीना	रहमान, शिव शक्ति एवं अशद	आकाश, स्वाति, एवं श्रेया
1.30-2.30	दिन का खाना			
2.30-5.00 अपराह्न	संगीत			
	संजीत एवं नीरज			
शाम 5.00-5.00 बजे	कला और शिल्प टिकुली आर्ट	लोक नृत्य	रचनात्मक लेखन	स्पोकेन इंग्लिश
	अश्विका, साहिब एवं रीना	गोल्डी एवं अंजलि	आकाश, स्वाति, एवं श्रेया	रहमान, शिव शक्ति एवं अशद

5.00-5.3 0 बजे सायं	डिजिटल साक्षरता
	रहमान, असद, रवि, अश्विका, सुनील, रीना, मुकेश, राहुल
5.30-6.00 बजे सायं	नाश्ता
6.00-8.00 सायं	फ़िल्म-लापता लेडीज
8.00-9.00 बजे	रात का खाना

द्वितीय दिवस की गतिविधियाँ

समर कैंप-सह-किशोरी महोत्सव पटना - 2024

मई 8, 2024

समय	समूह 1	समूह 2	समूह : 3	समूह : 4
प्रात: 05-06 बजे	योग			
7.30-8.30 बजे	नाश्ता			
8.30-10.30 बजे	संगीत			
10.30-11.30 बजे	लोक नृत्य	कला और शिल्प टिकुली आर्ट	स्पोकेन इंग्लिश	रचनात्मक लेखन
	कंचन और अंजलि	अश्विका	शिव शक्ति और अशद	एमडी एवं सुधाकर
11.30 पूर्वाह्न-12.30 अपराह्न	कला और शिल्प टिकुली आर्ट	लोक नृत्य	रचनात्मक लेखन	स्पोकेन इंग्लिश

मेरा आज, कल के लिए!

12.30-1.30 अपराह्न	अश्विका	कंचन और अंजलि	एमडी एवं सुधाकर	शिव शक्ति और अशद
	स्पोकेन इंग्लिश	रचनात्मक लेखन	लोक नृत्य	कला और शिल्प टिकुली आर्ट
	शिव शक्ति और अशद	एमडी एवं सुधाकर	कंचन और अंजलि	अश्विका
1.30-2.30	दिन का खाना			
2.30-4.00 अपराह्न	आर्ट ऑफ इफेक्टिव रीडिंग			
	विकास जी			
सायं 4.00-5.00 बजे	रचनात्मक लेखन	स्पोकेन इंग्लिश	लोकनृत्य	कला और शिल्प
	एमडी एवं सुधाकर	शिव शक्ति और अशद	कंचन और अंजलि	अश्विका एवं सीता
शाम 5.00-5.30 बजे	डिजिटल साक्षरता			
	रहमान, असद, रवि, अश्विका, सुनील, रीना, मुकेश, राहुल			
5.30-6.00 बजे	नाश्ता			
6.00-8.00 सायं	फ़िल्म- मै भी कलाम			
8.00-9.00 बजे	रात का खाना			

तृतीय दिवस की गतिविधियाँ

समर कैंप-सह-किशोरी महोत्सव पटना - 2024				
मई 9, 2024				
समय	समूह 1	समूह 2	समूह : 3	समूह : 4
05-06 बजे	योग			
7.30-8.30 बजे	नाश्ता			
8.30-10.30 बजे	खेल			
10-10.30 बजे	कराटे			
10.30-11.30 बजे	संगीत			
11.30-12.30 बजे	लोक नृत्य	कला और शिल्प टिकुली आर्ट	स्पोकेन इंग्लिश	रचनात्मक लेखन
	कंचन और अंजलि	अश्विका	शिव शक्ति और अशद	एमडी एवं सुधाकर
12.30-1.30	कला और शिल्प टिकुली आर्ट	लोक नृत्य	रचनात्मक लेखन	स्पोकेन इंग्लिश
	अश्विका	कंचन और अंजलि	एमडी एवं सुधाकर	शिव शक्ति और अशद
1.30-2.30	दिन का खाना			
2.30-4 .00 अपराह्न	माहवारी स्वच्छता			
	तबस्सुम			

4.00-5.00 अपराह्न	स्पोकेन इंग्लिश	रचनात्मक लेखन	लोक नृत्य	कला और शिल्प टिकुली आर्ट
	शिव शक्ति और अशद	एमडी एवं सुधाकर	कंचन और अंजलि	अश्विका
5.00 -5.30 अपराह्न	डिजिटल साक्षरता			
	रहमान, असद, रवि, अश्विका, सुनील, रीना, मुकेश, राहुल			
शाम 6.00-6.30 बजे	नाश्ता			
शाम 6.30-8.30 बजे	फ़िल्म- बारहवीं फेल			
रात्री 8.30-9.30 बजे	रात का खाना			

सभी गतिविधियों के गुणात्मकता को सुनिश्चित करने के लिए प्री एवं पोस्ट रिव्यू बैठके आयोजित की गई| साथ हीं सभी प्रतिभागियों एवं प्रशिक्षक के जलपान, भोजन एवं आवासन का पूर्ण प्रबंध किया गया| छात्राओं द्वारा पूरे मनोयोग से प्रत्येक गतिविधि को सीखा गया एवं प्रशिक्षकों द्वारा भी पूरे मनोयोग से उसे सीखाया गया|

7. विशेष विद्यालय –सह छात्रावास, पटना के समर कैंप का समापन

नारी गुंजन द्वारा संचालित विशेष विद्यालय-सह-छात्रावास, पटना एवं गया के समर कैंप-सह- ग्रीष्मकालीन किशोरी महोत्सव, 2024 के समापन समारोह का आयोजन विशेष विद्यालय-सह-प्रेरणा छात्रावास, लालकोठी दानापुर के प्रांगण में, दिनांक 10-05-2024 को संध्या 4.30 बजे किया गया| इस अवसर पर श्रीमती एनी अब्राहम, आई जी, सीआरपीएफ, राजीवनगर, पटना; श्रीमती आशा देवी, सदस्य, बीआरसी, दानापुर, श्री नरेंद्र कुमार, भारतीय जीवन बीमा निगम, पद्मश्री सुधा वर्गीज, सचिव, नारी गुंजन एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहें| इस कैंप में दानापुर, गया, पुनपुन एवं बिहटा की 349 प्रतिभागी एवं 77 रिसोर्स पर्सन उपस्थित रहें| दोनो विशेष विद्यालयों के समर कैंप-सह-ग्रीष्मकालीन किशोरी

महोत्सव, 2024 का समापन समारोह में छात्राओं द्वारा दिनांक 02 से 09 मई तक की कैंप के क्रम में सीखे गए आर्टफॉर्म की ही प्रस्तुति की गई।

हिम्मत महिला बैंड की धुनों के साथ अतिथियों का आगमन प्रारंभ हुआ| उसके बाद छात्राओं द्वारा पौधे देकर अतिथियों का स्वागत किया गया| 'स्वागतम शुभ स्वागतम' गान की प्रस्तुति विशेष विद्यालय की छात्राओं द्वारा अतिथियों के लिए की गई| तत्पश्चात सचिव, नारी गुंजन द्वारा अतिथियों का स्वागत किया गया एवं ग्रीष्मकालीन किशोरी महोत्सव, 2024 के

उद्देश्यों एवं उपलब्धियों से सभा को अवगत कराया गया|

विशेष विद्यालय –सह- छात्रावास, गया के प्राथमिक कक्षा की नन्ही छात्राओं द्वारा 'दिल है छोटा सा' गीत पर नृत्य की प्रस्तुति की गई| कुछ अन्य छात्राओं के समूह द्वारा 'सरगम गीत' की प्रस्तुति की गई| 'रौशनी का दरिया ना हो प्रार्थना गीत पर विशेष विद्यालय, गया की छात्राओं द्वारा नृत्य प्रस्तुत किया गया| तत्पश्चात 'तुम ही हो' गाने पर छात्राओं के समूह द्वारा योगनृत्य की प्रस्तुति की गई| विशेष विद्यालय –सह- छात्रावास, पटना की छात्राओं द्वारा कजरी गीत की प्रस्तुति की गई एवं 'मै क्यू नहीं' गाने पर कराटे का प्रदर्शन किया गया| छात्राओं के झूमर गीत/नृत्य की प्रस्तुति ने सबका मन मोह लिया| 'मलंग सजना' गीत पर एकल नृत्य, समर कैंप के अनुभवों का प्रकटीकरण, खेल की विभिन्न गतिविधियों के विजेताओं में पुरस्कार वितरण, अतिथियों का सम्बोधन एवं धन्यवाद ज्ञापन किया गया|

अतिथियों द्वारा सभी छात्राओं के द्वारा प्रस्तुत कार्यक्रम की मुक्त कंठ से प्रशंसा की गई एवं नारी गुंजन के प्रयास की सराहना भी की गई|

आम आदमी पार्टी के नेताओं ने एक दूसरे को मिठाई खिलाते हुए कहा सिंह, लक्ष्मण यादव सहित कई नेता एवं कार्यकर्ता भी मौजूद थे। दवा देकर इसके नियमित सेवन का आखिरी दिनों में कम से कम चार बार

नारी गुंजन ने आयोजित किया ग्रीष्मकालीन किशोरी महोत्सव

पटना (आससे)। विशेष विद्यालय-सह-छात्रावास, पटना एवं गया के समर कैंप-सह-ग्रीष्मकालीन किशोरी महोत्सव २०२४ के समापन समारोह का आयोजन विशेष विद्यालय-सह-प्रेरणा छात्रावास, लालकोठी, दानापुर के प्रांगण में किया गया। इस अवसर पर एनी अब्राहम, आईजी सीआरपीएफ राजीव नगर पटना आशा देवी, सदस्य बीआरसी दानापुर नरेन्द्र कुमार, भारतीय जीवन बीमा निगम, पद्मश्री सुधा वर्गीज, सचिव नारी गुंजन एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहें।

हिम्मत महिला बैंड की धुनों के साथ अतिथियों का आगमन प्रारंभ हुआ। उसके बाद छात्राओं द्वारा पौधे देकर अतिथियों का स्वागत किया गया। स्वागतम शुभ स्वागतम गान की प्रस्तुति विशेष विद्यालय गया की छात्राओं द्वारा की गयी। तत्पश्चात सचिव, नारी गुंजन द्वारा अतिथियों का स्वागत किया गया एवं ग्रीष्मकालीन किशोरी महोत्सव २०२४ के उद्देश्यों एवं उपलब्धियों से सभा को अवगत कराया गया। विशेष विद्यालय-सह-छात्रावास, गया के प्राथमिक कक्षा की नन्ही छात्राओं द्वारा

दिल है छोटा सा गीत पर नृत्य की प्रस्तुति की गयी। कुछ अन्य छात्राओं के समूह द्वारा सरगम गीत की प्रस्तुति की गयी। रौशनी का दरिया ना हो प्रार्थना गीत पर विशेष विद्यालय-सह-छात्रावास पटना की छात्राओं द्वारा कजरी गीत की प्रस्तुति की गयी एवं मैं क्यू नहीं गाने पर कराटे का प्रदर्शन किया गया। छात्राओं के झुमर गीत-नृत्य की प्रस्तुति ने सबका मन मोह लिया।

मलंग सजना गीत पर एकल नृत्य, समर कैंप के अनुभवों का प्रकटीकरण, खेल की विभिन्न गतिविधियों के विजेताओं में पुरस्कार वितरण, अतिथियों का संबोधन एवं धन्यवाद ज्ञापन किया गया। अतिथियों द्वारा सभी छात्राओं के द्वारा प्रस्तुत कार्यक्रम की मुक्त कंठ से प्रशंसा की गयी एवं नारी गुंजन के प्रयास की सराहना की गयी।

---

8 / 18

पटना, शनिवार 11.05.2024 | 06

लोग
गी
ख
गये
क-झोक
सेर फूटा

र काबू पा
म जलता
गया और
झ गया.
क्रम में
गया. लोग
ाल में ले
म्निशमन
जब कि
बताया कि
वह कार्य
टाया गया,
फिसल
जमा होने
शे बंद
पर
म

सिटी बाइट्स

चार दिवसीय किशोर महोत्सव का समापन समारोह

दानापुर. नारी गुंजन के प्रेरणा छात्रावास की महादलित बच्चियों के लिए लाल कोठी मध्य विद्यालय परिसर में चार दिवसीय किशोर महोत्सव शिविर का शुक्रवार को समापन समारोह किया गया. इस अवसर पर सीआरपीएफ के आइजी एनी अब्राहम ने बच्चियों को लक्ष्य लेकर मेहनत से पढ़ाई करने की सलाह दी. नारी गुंजन की सचिव पद्मश्री सुधा वर्गीज ने कहा कि इस कैंप में प्रेरणा छात्रावास में रहने वाली महादलित लड़कियों के अलावा गया की करीब 350 किशोरियां शामिल हुई हैं. छात्राओं के समूह व योगनृत्य व झुमर गीत पर नृत्य कर सबका मन मोह लिया. मौके पर विभिन्न गतिविधियों के प्रतिभागियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया.

नौबतपुर में कट्टा के साथ युवक गिरफ्तार

नौबतपुर. पिपलावां थाने के बकुआ गांव के पास स्थित बगीचा से पुलिस ने शुक्रवार को एक युवक को कट्टा व एक करतूत के साथ गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार आरोपित की पहचान मसौढ़ी थाने के जगदीशपुर निवासी अमरजीत कुमार के रूप में हुई है. बताया जाता है कि आरोपित बड़े वारदात को अंजाम देने का फिराक में था. पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर उसे पकड़ लिया.

दानापुर में नाला उड़ाही कार्य का इओ ने किया निरीक्षण

दानापुर. नालों की उडाही कार्य का शुक्रवार को नगर परिषद के इओ विमल कुमार ने निरीक्षण किया. सफाई निरीक्षक व ठेकेदार को आवश्यक निर्देश दिया. उन्होंने बताया कि 31 मई तक बड़े नाले व वार्डों के नाले की उड़ाही कार्य पूरा कर लिया जायेगा. उन्होंने बताया कि सैनिक कॉलोनी, गोला रोड, बेली रोड समेत आदि बडे नालों का उड़ाही कार्य का निरीक्षण किया गया है.

महर्षि परशुराम जयंती पर हुई पूजा-अर्चना

पटना सिटी. श्री परशुराम जयंती आयोजन समिति की ओर से परशुराम जयंती का आयोजन हरिमंदिर गली स्थित प्राचीन शिव मंदिर में हुआ. यजमान बने संयोजक अधिवक्ता सत्येंद्र मिश्र ने भगवान परशुराम की पूजा-अर्चना का अनुष्ठान कराया. पूजा अर्चना के बाद संगोष्ठी हुई, जिसमें शामिल राजा सिंह, बाबा गुरविंदर सिंह, बाबा गुरनाम सिंह, तख्त साहिब के प्रबंधक दिलीप सिंह पटेल, पसुदीप सिंह, हरजीत सिंह, आनंद मोहन झा आदि शामिल हुए.

Dream11
4.4 ★ FREE
INSTALL

8. शैक्षणिक परिभ्रमण

समर कैंप के अंतिम चरण में दिनांक 11-05-2024 को शैक्षणिक परिभ्रमण का आयोजन किया गया| इस हेतु बिहार संग्रहालय एवं पटना जू का चयन किया गया| कक्षा 6 से ऊपर की छात्राओं को बिहार संग्रहालय एवं कक्षा 6 से नीचे की छात्राओं को पटना जू ले जाया गया| बच्चों को ले जाने के लिए कई बसों की व्यवस्था की गई| प्रत्येक बस में छात्राओं के साथ-साथ शिक्षकों को भी रखा गया|

पटना जू

विभिन्न बसों से प्रात: 10.30 बजे कुल 349 छात्राओं एवं 77 संसाधन व्यक्तियों मे से 131 छात्राएं एवं 27 संसाधन व्यक्ति पटना जू गए|

पटना में, संजय गांधी जैविक उद्यान आगंतुकों के लिए आकर्षण का केंद्र है, और यह बिहार का एकमात्र चिड़ियाघर है। संजय गांधी जैविक उद्यान में जंगली जानवरों की 108 विभिन्न प्रजातियाँ पाई जाती हैं, जिनमें से 50 प्रजातियाँ लुप्तप्राय श्रेणी में हैं। पटना चिड़ियाघर में जानवरों और पक्षियों की कुल संख्या 1163 है। जिसे देख कर छात्राओं में जैवविविधता की समझ विकसित हुई साथ ही वे अलग-अलग प्रजातियों के जीवों को देख काफी खुश भी हुए|

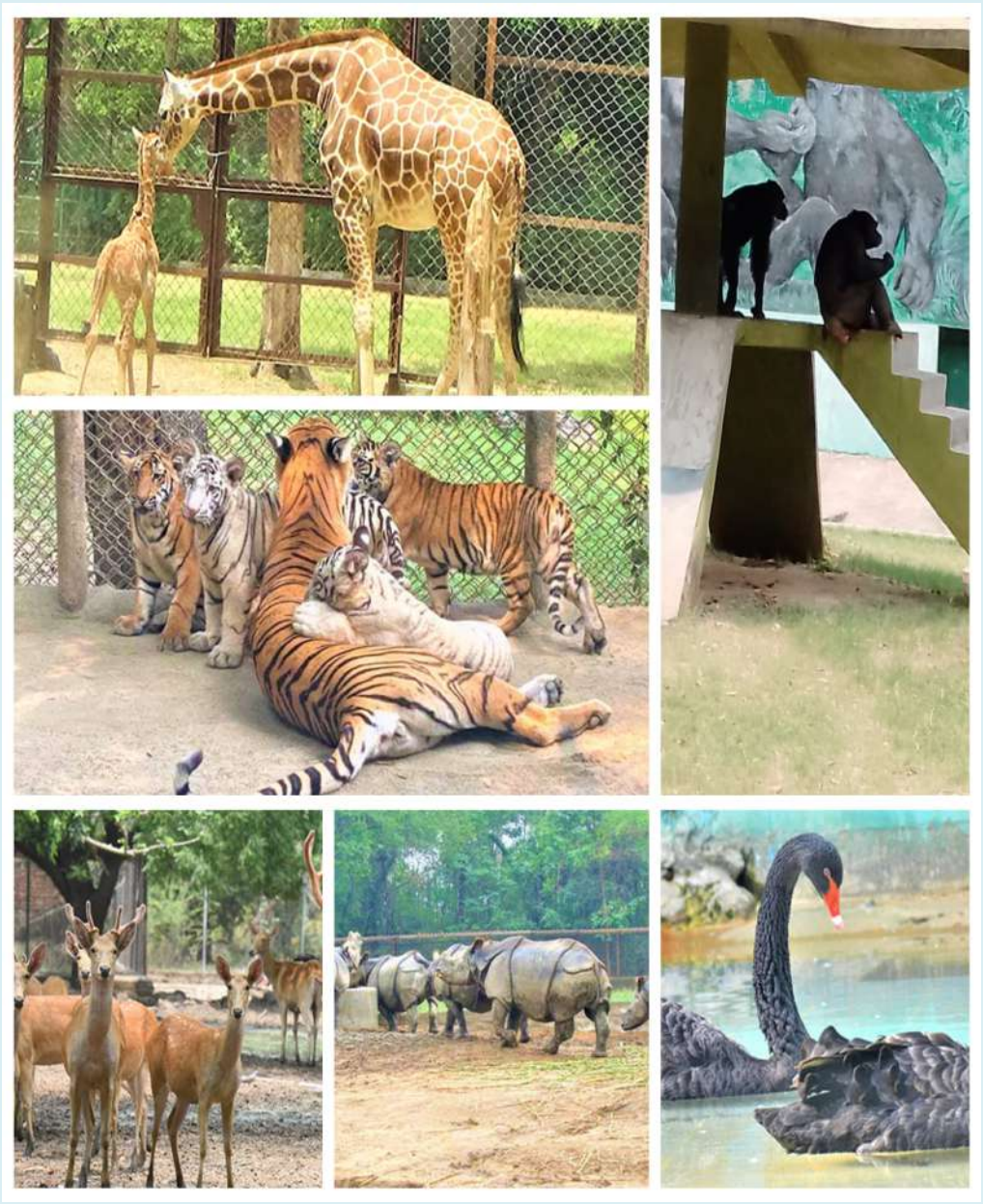

इस जैविक उद्यान के वनस्पति अनुभाग में जलीय उद्यान, औषधीय नर्सरी, फर्न हाउस,

ग्रीन हाउस आदि शामिल हैं। एक्वेरियम, एवियरी और चिल्ड्रन पार्क बच्चों के लिए एक अतिरिक्त आकर्षण रहा। बच्चों को थ्री डी थियेटर भी दिखाया गया|

बिहार संग्रहालय

विभिन्न बसों से प्रात: 10 बजे कुल 349 छात्राओं एवं 77 संसाधन व्यक्तियों मे से 218 छात्राएं एवं 40 संसाधन व्यक्ति बिहार संग्रहालय गए|

बिहार संग्रहालय ने कई कलाकृतियों को संजोया है और यह ऐतिहासिक ज्ञान का केंद्र है। इस संग्रहालय को भारत के समृद्ध इतिहास और संस्कृति पर प्रकाश डालने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यहाँ छात्राओं ने काफी कुछ सीखा|

बिहार संग्रहालय के आंतरिक भाग में छात्राओं को एक नई दुनिया का आभास हुआ। यहाँ की हर मूर्ति से छात्राओं को हमारे गौरवशाली अतीत का पता चला। संग्रहालय के

कई खंडों मे से बच्चों के लिए सबसे पसंदीदा हिस्सा कृत्रिम वन्यजीव अभयारण्य रहा। इसके साथ ही छात्राओं को बिहार के गौरवशाली इतिहास पर आधारित वृत-चित्र भी दिखाया गया| छात्राओं को यहाँ एक नया अनुभव प्राप्त हुआ|

छात्राओं ने समर कैंप में बहुत कुछ सीखा; जिसमे ज्ञान के अतिरिक्त सामान्य शिष्टाचार, सहयोगी भावना, टीम भावना आदि प्रमुख है|

प्रतिवेदन

समर कैंप-सह- ग्रीष्मकालीन किशोरी महोत्सव ,2024

विशेष विद्यालय सह- प्रेरणा छात्रावास

नारी गुंजन, लाल कोठी, दानापुर, पटना